मोहम्मद अशरफ की कहानियां कस्बाई जीवन से प्रभावित

जासं, अलीगढ़: लेखक सैयद मोहम्मद अशरफ की कहानियों पर पारिवारिक साहित्यिक माहौल का गहरा असर है। वह कस्बाई जीवन और उसके माहौल से प्रभावित हैं। पतनशील मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं के पतन पर भी कहानियां लिख चुके हैं। ये जानकारी अलबरकात एजुकेशनल सोसाइटी में शुक्रवार को आयोजित 'असाना निगार सैयद मोहम्मद अशरफ से मुलाकात' और 'बज्म ए अफसाना' कार्यक्रम में उनसे बातचीत के दौरान सामने आईं। साहित्यिक अकादमी, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. सैयद मोहम्मद अमीन ने कहा कि यह दिन अलबरकात एजुकेशनल सोसाइटी के लिए ऐतिहासिक है। अकादमी के उप सचिव कुमार अनुपम व पूर्व विधायक विवेक बंसल ने उनकी साहित्यिक सेवाओं की सराहना की। प्रो. एआर किदवई, प्रो. शाफे किदवई, प्रो. तारिक छतारी, प्रो. सगीर अफराहीम, प्रोफेसर गजनफर ने विचार रखे। संचालन एएमयू के शिक्षक डा. अहमद मुज्तबा सिद्दीकी ने किया। एसएम अमान, सैयद मोहम्मद उस्मान, कफील अहमद, डा. एफयू अहमद सिद्दीकी, मोहम्मद अकबर कादरी, प्रो. आसिम सिद्दीकी, प्रो. मोहम्मद वसीम अली, प्रो. परवेज तालिब, प्रो. जावेद अख्तर, प्रो. कमरूल हुदा फरीदी आदि उपस्थित रहे।

अल बरकात एजुकेशनल सोसाइटी में संबोधित करते मोहम्मद अशरफ, मंच पर डा. अहमद मुज्तबा सिद्दीकी, प्रो. सैयद अमीन सौ. आयोजक